द्वारका एक्सप्रेस-वे: लोगों को 2016 में जाम के झंझट से दिलाएगा राहत

गुड़गांव। द्वारका एक्सप्रेस-वे दिल्ली-गुड़गांव के लिए एक वैकल्पिक रास्ते के रूप में विकसित हो रहा है। सबसे अधिक पसंद किया जाने वाला रिहायशी इलाका बनता जा रहा है। 18 किलोमीटर लंबी इस रोड के दोनों ओर हजारों एकड़ में रिहायशी और कॉमर्शियल प्रोजेक्टों की भरमार हो गई। आईसीआरए के अनुसार यहां माइक्रो मार्केट शुरुआती दौर में है और यहां लगभग 40000 अपार्टमेंट्स बनने की संभावना है। जबकि एक्सप्रेस-वे के आसपास का क्षेत्र एक सुनियोजित तरीके से बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ डवलप किया जा रहा है।

मार्च 2016 तक पूरा होगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण

तत्कालीन हुडा प्रशासक अंशज सिंह ने द्वारका एक्सप्रेस-वे का दौरा करने के बाद कहा था कि चौमा गांव से खेड़की दौला गांव के बीच की सड़क के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा किया जाएगा। विस्थापित लोगों का पुनर्वास सेक्टर-37सी और सेक्टर-110ए में कराया जा रहा है। हुडा प्रशासक ने यह भरोसा दिलाया था कि अगले साल मार्च से पूर्व यह सड़क बनकर तैयार होगी। बसई गांव के पास बन रहे रेलवे ओवरब्रिज का भी काम भी जून तक खत्म होने की संभावना जताई थी।

यह क्षेत्र बनेगा मनोरंजन हब फूड कोर्ट भी बनेगा

द्वारका एक्सप्रेस-वे रेजिडेंशियल के अलावा कॉमर्शियल प्रोजेक्ट्स के लिए भी सबसे अधिक उपयुक्त है। एक्सप्रेस-वे पर सबसे अधिक पसंद किया जाने वाला कॉमर्शियल प्रोजेक्ट्स है। इस क्षेत्र के लिए 5 स्क्रीन की पीवीआर मल्टीप्लेक्स के अलावा एक बहुत बड़ा फूड कोर्ट, कंटेमप्ररी और मॉडर्न कार्य शाला, एक शानदार नाइट क्लब, जिम और स्पा आदि बनेंगे। यह प्रोजेक्ट आईजीआई एअरपोर्ट और द्वारका से मात्र 15 मिनट की दूरी पर है। यहां से प्रस्तावित राजनयिक एन्क्लेव मात्र 10 मिनट की दूरी पर है और एनएच-8 से बस कुछ मिनटों की दूरी पर है।

मेट्रो की परियोजना शुरू होने की है संभावना

इस क्षेत्र में मेट्रो की परियोजना शुरू होने की संभावना भी बन रही है। यह परियोजना मेट्रो के विस्तार का हिस्सा होगी। जिससे की यह क्षेत्र दिल्ली-गुड़गांव के बाकी हिस्सों से जुड़ जाएगा और इसके सुदूर क्षेत्रों में भी अधिक सुगमता से पहुंचा जा सकेगा। द्वारका एक्सप्रेसवे को दिल्ली-गुड़गांव के लिए एक वैकल्पिक रास्ते के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है। इससे दिल्ली-गुड़गांव एक्सप्रेस-वे के ट्रैफिक की समस्याओं से निजात मिलने की उम्मीद है। इस रोड की चौड़ाई 150 मीटर है, इससे यह उम्मीद की जा रही है कि आगामी 40-50 सालों तक यह ट्रैफिक जाम की समस्याओं से मुक्त रहेगी।

विकास की संभावनाओं के बारे में क्या कहते हैं कंपनी में काम करने वाले लोग

एक कंपनी के एमडी गौतम सेठी ने कहा कि शुरुआती निवेशों से हुए बहुत ही अच्छे विकास को देखते हुए द्वारका एक्सप्रेस-वे एक महत्वपूर्ण है और गुड़गांव में एक सस्ते माइक्रो मार्केट के रूप में उभर रहा है। अधिक संख्या में कंपनियों द्वारा गुड़गांव में अपना ऑफिस बनाने की होड़ में अच्छे कॉमर्शियल हबों की कमी खलती रही है। एक कंपनी के उपाध्यक्ष राजेश के गौरी ने कहा कि दिल्ली और गुड़गांव से अपनी नजदीकी के कारण यह उम्मीद की जा रही है कि द्वारका एक्सप्रेस-वे, गोल्फ कोर्स रोड और गोल्फकोर्स एक्सटेंशन रोड पर हुए विकास जैसी प्रगति करेगा। एक कंपनी के निदेशक पंकज बंसल कहते है कि द्वारका एक्सप्रेस-वे दिल्ली एनसीआर रियल एस्टेट को एक उन्नत स्वरूप देगा। एक्सप्रेस-वे का निर्माण पूरा होने पर रेजिडेंशियल और कॉमर्शियल निर्माणों में कम से कम 20 प्रतिशत की उछाल संभावित है।